

## आनापानसति

आदमी अपने आप को भूल गया और खो दिया। उसका परिणाम? दुःख! निरर्थक जीवन। साधारण आदमी की इस दुनिया में यही रीति है। सारे भारत में, सभी प्रान्तों, गाँवों और शहरों में हर परिवार में यही रीति चल रही है।

लेकिन अब पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटीज आ गई हैं। अब लोग स्वयं स्वस्थ बन सकेंगे। कैसे? आनापानसति के द्वारा-बस।

आनापानसति ध्यानाभ्यास पिरामिड सोसाइटीज के ध्यानियों का मूल आध्यात्मिक सिद्धान्त है। सभी लोगों को ध्यानी, योगी और ऋषि बनाने के लिए पिरामिड सोसाइटीयाँ तैयार हो गई हैं। निश्चय करके स्वयं भी आनापानसति अभ्यास कीजिए और करवाइए।

ध्यान-ज्ञान-यज्ञों में भाग लेकर आत्मसाम्राज्य पालन कीजिए, वायु पुत्र बनिए और राम के मित्र बनिए।